ऋषि दयानन्द पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित करने की पेशकश की थी क्योंकि जम्मू केन्द्र के कार्यक्रम का ढांचा कुछ इस प्रकार का था कि उसमें परिवर्तन नहीं हो सकता था ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

पाकिस्तानियों द्वारा सीमा के खम्भों का गिराया जाना

*1282. **श्री हुकम चंद कछवाय** : क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री 27 नवम्बर, 1967 के तारांकित प्रश्न संख्या 272 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वी पाकिस्तान के नाडिया जिले में पाकिस्तानियों द्वारा सीमा के खम्भों को गिराये जाने के विरुद्ध सरकार ने उस समय कोई विरोध पत्र नहीं भेजा था ;

(ख) क्या यह सच है कि पाकिस्तान सरकार ने उस समय भारत सरकार द्वारा सीमा के खम्भे पुनः लगाने के प्रयत्नों का विरोध किया था ;

(ग) क्या सीमा के खम्भे इस बीच पुनः लगाये गये हैं ;

(घ) क्या पाकिस्तान सरकार ने इस बात की कोई गारंटी दी है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी ; और

(ङ) यदि नहीं, तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क) से (ङ), पाकिस्तान प्राधिकारियों से जिला और राज्य सरकारों के स्तर पर विरोध प्रकट किया गया था ।

जुलाई 1965 की अपनी बैठक में पश्चिम बंगाल और पूर्वी पाकिस्तान के भू-अभिलेख एवं सर्वेक्षण विदेशकों में सीमा स्तंभों का द्विवार्षिक निरीक्षण करने और उनकी मरम्मत करने या उन्हें बदलने की एक प्रक्रिया पर सहमति हो गई थी ।

बीच में भारत-पाक संघर्ष हो जाने की वजह से इन खम्भों की न तो मरम्मत हुई थी और न बदले गए थे । भू अभिलेख एवं सर्वेक्षण निदेशकों की बाद की बैठक में, पूर्व पाकिस्तान के सर्वेक्षण अधिकारियों ने अपना रवैया यही रखा कि इसको अथवा किसी अन्य क्षेत्रकार्य को प्रारम्भ करना तबतक संभव नहीं होगा जबतक कि बेरुबाडी का भी सीमांकन शुरू न किया जाए । बहरहाल, सितम्बर 1967 में वे बाडिया और कुष्टिया सीमा पर कुछ लापता स्तम्भों को फिर से लगाने पर सहमत हो गए । इस समझौते के बावजूद, पूर्व पाकिस्तान की तरफ़ के लोगों ने इकतरफा तरीके से अपने कारिन्दों को हटा लिया ।

सहमत प्रक्रिया के अनुसार पाकिस्तान प्राधिकारियों का सहयोग प्राप्त करने की कोशिश की जा रही है ।

Proposals Submitted by Nagaland Peace Observers

*1283 SHRI BENI SHANKER SHARMA : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the Nagaland peace observers have submitted a proposal to Government and the underground Nagas for a joint meeting to review the overall situation concerning the cease-fire agreement in Manipur and Nagaland ; and

(b) if so, the reaction of Government thereto ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) Yes, Sir.

(b) The Governor of Nagaland was requested to deal with the matter. The Government of India have been informed that a meeting has been fixed on the 20th April, 1968 at Dimapur.